स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग

- ❖ कोर्स
- ❖ संकाय
- ❖ दृश्टि और लक्ष्य
- ❖ प्रका ान कार्य
- ❖ राश्ट्रीय संगोश्ठी
- ❖ प्रतिभा ाली एल्युमनी
- ❖ अन्य प्राप्तियां
- ❖ भविश्य की योजना

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग :

गांधीवादी द ान से प्रभावित भगवान देवात्मा ने निःस्वार्थ भाव से समाज व राष्ट्रहित के लिए सन् 1934 से इस महाविद्यालय को प्रारम्भ किया। सन् 1983 से हिन्दी में स्नातकोत्तर कक्षाएं आरम्भ की गई। पंजाब का सीमांत प्रदे ा होते हुए हिन्दी भाषा की निरन्तरता को बनाए रखना स्वयं में एक संघर्ष है लेकिन प्रधानाचार्या के नेतृत्व व सहयोग से विभाग प्रगति की राह पर है। हिन्दी विभाग

का निरन्तर प्रयास रहता है कि वह अपनी छात्राओं में साहित्यिक अभिरुचियों के साथ–साथ उनमें मानवतावादी दृष्टिकोण को जगाते हुए, नैतिक मूल्यों को बढ़ाते हुए आद र्ा नागरिक व मनुष्य बनने की ओर प्रेरित करे ताकि वे समाज कल्याण की ओर अग्रसर हों।

कोर्स

बी.ए.

बी.ए. आनर्ज़

एम.ए.

संकाय

◆ श्रीमती अनु नंदा, अध्यक्ष एवं अस्सिटेंट प्रोफेसर, एम.ए. , बी.एड., एम. फिल्.

दृश्टि :

◆ मानवीयता और सामाजिकता का संवर्धन

◆ सृजनात्मक वृत्ति का पोशण एवं उन्नयन

◆ नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों का संवर्धन

◆ आलोचनात्मक चेतना का निर्माण

लक्ष्य

यद्यपि हिन्दीभारत की राश्ट्रभाशा है तथापि विभिन्न प्रकार की भाशाओं से भरे हमारे दे ा में हिन्दी को जीवन्त रखना इतना सहज नहीं है। पंजाब एक अहिन्दी भाशी प्रान्त है और फिरोजपुर एक सीमान्त भाहर। इस कारण से हिन्दी भाशा के लिए अपनी तरह की समस्याएँ हैं, ऐसे में हिन्दी भाशा को इस क्षेत्र में जीवन्त रखना भी एक यक्ष प्र न है परन्तु हमारा हिन्दी विभाग कॉलेज प्र ाासन के सहयोग से निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हमारे पास आने वालीं अधिकतर छात्राएं पंजाबी मातृभाशा के परिवारों से सम्बन्ध रखने वाली हैं, उन्हें हिन्दी पढ़ने के लिए प्रेरित करना, हिन्दी भाशा और साहित्य के लिए उनकी रुचि जागृत करते हुए उनकी गुणवत्ता को सुधारते हुए उत्कर्श पर पहुँचाना हमारे विभाग का लक्ष्य है।

प्रकाि ात कार्य

- भाोध पत्र —16
- भाोध पत्र प्रस्तुति—12
- इन–हाउस जर्नल—04

राश्ट्रीय संगोश्ठी का आयोजन—1

विभागीय सामर्थ्य

- योग्य और अनुभवी संकाय
- प्रयोजन मूलक पाठ्यक्रम
- प्रबंधन का संरक्षण
- आधुनिकतम पुस्तकों से लैस पुस्तकालय
- 4242 हिन्दी पुस्तकें, 9 पत्रिकाएं तथा 8 जर्नल पुस्तकालय में उपलब्ध
- सूक्ष्म कालान्तर में विशय वि ोशज्ञों के द्वारा छात्राओं के ज्ञानसंवर्धन के लिए सेमिनार व चर्चाओं का आयोजन
- कालजयी साहित्यिक रचनाओं पर आधारित चलचित्र प्रद ान

हिन्दी विभाग के प्रतिभा ाली एल्युमनी

- श्रेयसी– अस्सिटेंट प्रोफेसर, सरकारी कॉलेज, पंचकूला
- प्रनीत– मैनेजर, एक्सिस बैंक
- रीति अग्रवाल–वकील, पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट, चण्डीगढ़
- नीतू अरोड़ा– ि ाक्षिका, सरकारी हाई स्कूल,बजीदपुर

◆ मिन्नी बेरी – ि ाक्षिका, सरकारी हाई स्कूल, पल्ला मेघा

◆ मीनाक्षी – ि ाक्षिका , सरकारी मिडल स्कूल, जोधपुर

◆ ि ाल्पी अरोड़ा– ि ाक्षिका, आर्मी पब्लिक स्कूल, बटिंडा

◆ गगनजोत कौर– ि ाक्षिका, सरकारी मिडल स्कूल, कदीम

◆ अनुगाबा– ि ाक्षिका, सरकारी सीनीयर सैंकण्डरी स्कूल, बाबे के

◆ ि ाल्पा– ि ाक्षिका , सरकारी हाई स्कूल, साईयावाला

◆ सुखवीर कौर – ि ाक्षिका, केरल कानवैन्ट स्कूल, फिरोजपुर शहर।

◆ रीबीका – ि ाक्षिका, सरकारी हाई स्कूल, फिरोजपुर

◆ किरन यादव – अस्सिटेंट प्रोफेसर, डी ए वी कालेज फार वूमैन, फिरोजपुर छावनी।

◆ सिम्मी – ि ाक्षिका, शांति विद्या मन्दिर, फिरोजपुर शहर।

अन्य प्राप्तियां

◆ कुलविन्द्र कौर यू जी सी उतीर्ण

◆ स्नातकोत्तर कक्षाओं के भात प्रति ात परिणाम उच्चतम प्रति ात के साथ

- हिन्दी की कालजयी कृतियों के पठन पाठन की ओर छात्राओं की रुचि का विकास

- छात्राओं को भाोध प्रवृत्ति के लिए प्रोत्साहन हेतु इन–हाउस जर्नल का प्रका ान

- आधुनिकतम तकनीकी विधा का ज्ञान जैसे कि टंकण

भविश्य की योजना

- छात्राओं की सृजनात्मकता को निखारने के लिए साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन

- छात्राओं को आधुनिक तकनीकी ज्ञान प्रदान करना

- छात्राओं में हिन्दी से इतर विशयों जैसे कि इतिहास, द र्ान ाास्त्र तथा अन्य भाशाओं के विद्वानों से परिसंवाद द्वारा ज्ञानवर्धन

- छात्राओं को हिन्दी मीडिया, पत्रकारिता और अनुवाद सम्बन्धी विशयों में रुचि पैदा कर इनको व्यावसायिक रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना।

.